पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'चुपचाप मेहनत करो और अपनी सफलता को अपनी पहचान बनाओ।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : बुधवार 17 जून 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

सिरप अब डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर ही मिलेगा

सरकार ने दवा खरीद के नियम बदले; एमपी में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हुई थी

नई दिल्ली एजेन्सी। कफ सिरप अब बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदे जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने ड्रग्स नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत सिरप को अब उस लिस्ट से हटा दिया गया है, जिसमें दवाएं सीधे दुकान से खरीदी जा सकती हैं। सरकार का कहना है कि इससे सिरप आधारित दवाओं पर निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत होगा। साथ ही सिरप निर्माता और विक्रेता को लाइसेंसिंग और क्वालिटी कंट्रोल से जुड़े सख्त नियमों का पालन करना ही होगा। मध्य प्रदेश में अक्टूबर 2025 में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हो गई थी।

सिरप को लिस्ट से हटाया

नई व्यवस्था के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची च में बदलाव किया गया है। इस अनुसूची में उन दवाओं को रखा गया था, जिन्हें कुछ नियमों में छूट दी गई थी। अब इस सूची से सिरप को हटा लिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, पहले अनुसूची च के तहत 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कफ सिरप की बिक्री के लिए कुछ रिटेल लाइसेंसिंग प्रावधानों से छूट थी। नए संशोधन के बाद यह छूट नहीं रहेगी। ऐसे गांवों में भी कफ सिरप केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त दवा दुकानों से ही बेचा जा सकेगा।

तीन साल पहले क्वालिटी टेस्ट अनिवार्य किया था

दवा सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठा चुकी है। 2022-23 में भारत में बनी कुछ कफ सिरप दवाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे थे। अफ्रीकी देशों और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के मामलों के बाद भारतीय दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाई गई थी। इसके बाद सरकार ने कफ सिरप के निर्यात से पहले सरकारी लैब में अनिवार्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की। साथ ही दवा निर्माण इकाइयों के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (GMP) मानकों को भी सख्त किया गया। कई कंपनियों के लाइसेंस निलंबित किए गए और उत्पादन इकाइयों पर कार्रवाई हुई।

आम लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी थीं

मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से पहले 29 दिसंबर 2025 को मसौदा अधिसूचना जारी कर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी गई थीं।

सरकार ने कहा कि नियमों में संशोधन से पहले देश की सर्वोच्च वैधानिक तकनीकी सलाहकार संस्था Drugs Technical Advisory Board (DTAB) से परामर्श किया गया था। केंद्र सरकार ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 12 और 33 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए यह बदलाव किया था।

ड्रग्स रूल्स, 1945, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत बनाए गए हैं। ये नियम भारत में दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को नियंत्रित करते हैं।

2023-24 में हुए प्रमुख बदलाव

कफ सिरप के निर्यात से पहले क्वालिटी टेस्ट अनिवार्य किया गया।

दवा निर्माण इकाइयों के लिए संशोधित तख्क मानक लागू किए गए।

गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाली कई दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

राज्यों और केंद्र के ड्रग कंट्रोल विभागों के संयुक्त निरीक्षण बढ़ाए गए।

नया नियम इसलिए अहम

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिरप आधारित दवाओं में लिक्विड, फ्लेवरिंग एजेंट और अन्य केमिकल्स का इस्तेमाल होता है। ऐसे में इनके निर्माण और भंडारण में छोटी गलती भी गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। सिरप को अनुसूची-च की छूट वाली सूची से बाहर करना सरकार की उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर एम्स के विशेषज्ञों ने पीबीएम चिकित्सकों के साथ की टेली-परामर्श बैठक

अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं के स्वास्थ्य पर की चर्चा, दिया आवश्यक मार्गदर्शन, केंद्रीय मंत्री मेघवाल भी जुड़े वर्चुअल बैठक से

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। पीबीएम अस्पताल में भर्ती गंभीर प्रसूताओं के उपचार एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के विशेषज्ञों एवं सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर के चिकित्सकों के बीच महत्वपूर्ण टेली-कंसल्टेशन बैठक आयोजित की गई।

उल्लेखनीय है कि रविवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे, जहां उन्होंने भर्ती प्रसूताओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। इसके बाद उन्होंने अस्पताल प्रशासन एवं वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ समीक्षा बैठक कर मरीजों के उपचार की स्थिति पर चर्चा की थी। इस दौरान उन्होंने एम्स, नई दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सकों से मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने का विश्वास दिलाया था।

केंद्रीय मंत्री के निर्देशों की अनुपालना में एम्स, नई दिल्ली के निदेशक द्वारा एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा को अध्यक्ष तथा एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ प्रो. डॉ. विमी रेवारी, नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ प्रो. डॉ. संदीप महाजन एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. हेम चंद्र पांडे को सदस्य बनाया गया।

मंगलवार को आयोजित समिति की पहली टेली-कंसल्टेशन बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल स्वयं जुड़े और मरीजों की स्थिति तथा उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पीबीएम अस्पताल के चिकित्सकों के साथ गंभीर प्रसूताओं के उपचार, चिकित्सा प्रबंधन एवं आवश्यक सावधानियों पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए।

डॉ. नीना मल्होत्रा ने समीक्षा के दौरान अस्पताल द्वारा प्रसूताओं के इलाज और देखरेख पर संतोष जताया। उन्होंने बताया कि प्रसूताओं को हाई रिस्क स्थिति में पीबीएम के लिए रेफर किया गया था। इनके द्वारा प्रसव पूर्व चेकअप और आवश्यक जांचें नहीं करवाई थी। ना ही आवश्यक दवाइयां ली गई थी। उनका हीमोग्लोबिन कम और ब्लडप्रेशर बढ़ा हुआ था। उन्हें निम्न संस्थानों से कई जटिलताओं के साथ मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि दो प्रसूताओं की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है, जिन्हें आने वाले दिनों में डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीबीएम के वरिष्ठ और अनुभवी चिकित्सकों की टीम पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इस दौरान डॉ. नीना मल्होत्रा ने पीएचसी, सीएचसी और निचले संस्थानों को और अधिक सुदृढ़ करने का सुझाव दिया।

इस दौरान मेघवाल ने कहा कि प्रसूताओं को राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से प्रसूताओं को बेहतर उपचार उपलब्ध होगा। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इन मरीजों सहित अन्य मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन के लिए एम्स की टीम सदैव तैयार रहेगी। उन्होंने कहा कि पीबीएम अस्पताल की क्षमता वृद्धि के लिए सतत कार्य किया जाएगा। इसके लिए एम्स सहित अन्य उच्चतम चिकित्सा संस्थानों का सहयोग भी लिया जाएगा।

बैठक में डॉ. परमिंदर सिरोही, डॉ. जितेंद्र फलोदिया, डॉ. रवि चांडक, डॉ. जिनेश, डॉ. खेताराम, डॉ. सुमन बुडानिया सहित अन्य चिकित्सक भी शामिल रहे।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप: धर्म परिवर्तन की कोशिश भी हुई; वीडियो में रोते हुए बोली- मुझे छोड़ दो

नागपुर एजेन्सी। नागपुर में भारतीय वायुसेना (IAF) के एक अफसर की 24 साल की पत्नी से रेप, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे उसका पूर्व स्कूल क्लासमेट है। पीड़ित के मुताबिक, अयाज उस पर धार्मिक मंत्रों से जुड़ी रस्में करता था। इसके बाद उसका रेप करता था। धर्मांतरण से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अयाज उसके हाथ पकड़े हुए धार्मिक मंत्र पढ़ता दिखाई दे रहा है। वीडियो में महिला कहती है, 'तुम्हें लड़ने की बहुत आदत है ना, हाथ छोड़ो ना... छोड़ो।' इसके बाद वह लगातार 'मुझे छोड़ दो' कहकर रोती और विरोध करती नजर आती है। जबकि आरोपी उसके हाथ जोर से पकड़े रहता है।

जयपुर में ट्रेलर ने मां-बेटे को रौंदा, मौत

जयपुर कासं। जयपुर में मंगलवार सुबह ट्रेलर ने मां-बेटे को कुचल दिया। बाइक से जाते समय ओवर स्पीड ट्रेलर ने उन्हें पीछे से टक्कर मारी थी। हरमाड़ा थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए दोनों शव कब्जे में लेकर कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्चुयरी भिजवाए हैं।

मां-बेटे को रौंदते हुए निकल गया ट्रेलर :

SHO (हरमाड़ा) उदय सिंह यादव ने बताया- आज सुबह करीब 9 बजे हरमाड़ा के नींदड़ मोड़ पर चौमूं से जयपुर की ओर सीमेंट से भरा ट्रेलर जा रहा था। ओवर स्पीड ट्रेलर ने आगे चल रहे बाइक सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रेलर मां संगीता (40) और बेटे कृष (18) को रौंदता हुआ चला गया। मां-बेटे हरमाड़ा के मनसा माता नगर में किराए से रहते थे। बेटा अपनी मां को बाइक पर बैठाकर किसी काम से निकला था। जिन्हें पीछे से ओवर स्पीड में जाते ट्रेलर ने चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

ड्राइवर ट्रेलर छोड़कर फरार

उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ट्रेलर छोड़कर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। एक्सीडेंट की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस बाइक के नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान के प्रयास में जुटी है।

स्काउट-गाइड कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

105 बालक-बालिकाओं ने विभिन्न व्यावसायिक एवं रचनात्मक विधाओं का लिया प्रशिक्षण

बीकानेर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदासर में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह मंगलवार को संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला रहे। कार्यक्रम में रामेश्वर लाल परिहार, एसबीआई शाखा उदासर के प्रबंधक विनय ढाका, संस्था प्रधान उषा रानी, मनीषा चौहान, बजरंग लाल भादू, जेठमल मेघवाल, रामस्वरूप स्वामी, हरमानदान सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए सहायक राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा प्रतिवर्ष कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों के माध्यम से बालक-बालिकाओं को जीवनोपयोगी कौशलों का प्रशिक्षण देकर उनकी बहुआयामी प्रतिभाओं को निखारने और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाता है।

इस अवसर पर शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को एसबीआई शाखा उदासर के सहयोग से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने शिविरार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया तथा प्रशिक्षण अवधि में तैयार की गई विभिन्न कलात्मक एवं उपयोगी सामग्रियों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

शिविर परिचय प्रस्तुत करते हुए सीओ स्काउट जसवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 18 मई से प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण शिविर में 105 बालक-बालिकाओं ने सिलाई, मेहंदी, नृत्य, चित्रकला, ब्यूटीशियन, इंग्लिश स्पोकन, कंप्यूटर सहित विभिन्न कौशल आधारित विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविर के सफल संचालन में योगदान देने वाले प्रशिक्षकों रामकृष्ण पन्नीवाल, संजना पुरोहित, गोपी प्रजापत, तानिया परिहार, आराधना एवं जयश्री को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंत में शिविर संचालक भंवर सिंह शेखावत ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक

21 को परीक्षा, 22 जून तक एप काम नहीं करेगा; मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद

नई दिल्ली एजेन्सी। भारत सरकार ने नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी।

एनटीए ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69 के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026 तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है।

नीट री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने एग्जाम के बाद भी टेलीग्राम को अपना मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए मैसेज 30 जून तक एडिट नहीं हो पाएंगे।

एनटीए के मुताबिक कुछ लोग टेलीग्राम का इस्तेमाल परीक्षाओं में पेपर लीक होने के फर्जी सबूत बनाने के लिए करते रहे हैं। ऐसे मामलों को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

एनटीए की प्रेस रिलीज की 7 मुख्य बातें...

एनटीए ने कहा कि इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (IyC) ने कई टेलीग्राम चैनल, ग्रुप और बॉट्स को हटवाया है। ये प्लेटफॉर्म NEET उम्मीदवारों को गुमराह करने और पेपर लीक का दावा करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे।

पिछले कुछ हफ्तों में टेलीग्राम पर 'PAPER LEAKED NEET ', 'Re-NEET 2026' और 'NEET MAFIA' जैसे नामों वाले चैनल चल रहे थे। ये उम्मीदवारों और उनके परिवारों से लाखों रुपए तक मांग रहे थे। एनटीए ने स्पष्ट किया कि ऐसे सभी दावे फर्जी हैं।

एनटीए के मुताबिक, टेलीग्राम का एडिट फीचर पुराने संदेशों में बाद में फाइल जोड़ने की इजाजत देता है। कुछ लोग परीक्षा के बाद पेपर जोड़कर यह दिखाने की कोशिश करते थे कि पेपर पहले से लीक हो गया था। इसी वजह से एडिट फीचर बंद कराया गया है।

राज्य पुलिस एजेंसियों ने भी इस तरह की धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई की है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने 9 जून को चेतावनी जारी की थी। वहीं अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया, जो 8 टेलीग्राम चैनलों के जरिए ठगी कर रहा था।

अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला कि एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह ने फर्जी बैंक खातों के जरिए करीब रु.1.5 करोड़ का लेनदेन किया। गिरोह ने एक महीने में करीब एक हजार मोबाइल नंबरों से संपर्क किया था।

एनटीए ने कहा है कि टेलीग्राम पर लगी रोक से लाखों लोग प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल पढ़ाई, नौकरी, निजी बातचीत और जानकारी हासिल करने के लिए करते हैं। एजेंसी ने असुविधा के लिए लोगों से माफी मांगी है।

एनटीए ने कहा कि अगर किसी को पेपर दिलाने, परीक्षा में मदद कराने या किसी अन्य तरह का ऑफर मिले तो उसकी जानकारी तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर दें।

शहरी सेवा शिविरों के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। राज्य सरकार द्वारा 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविरों के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला कलक्टर निशांत जैन ने आदेश जारी कर नगरीय निकायों में शिविर प्रभारी एवं सहायक शिविर प्रभारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

आदेशानुसार नगर निगम आयुक्त व बीकानेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगर निगम बीकानेर के लिए आयुक्त नगर निगम को शिविर प्रभारी तथा उपायुक्त नगर निगम को सहायक शिविर प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार नगरपालिका नोखा, श्रीडूंगरगढ़, देशनोक, लूणकरणसर, खाजूवाला एवं नापासर में संबंधित उपखंड अधिकारियों को शिविर प्रभारी तथा अधिशासी अधिकारियों को सहायक शिविर प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आदेशानुसर शिविर प्रभारी शिविरों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का पूर्व में ही चिन्हित करवाने होंगे तथा अग्रिम दल द्वारा शिविर से दो दिन पूर्व मौके पर जाकर प्रकरणों की पूर्ण रूप से जांच करनी होगी, जिससे शिविर दिवस पर अधिकतम प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया जा सके। शिविर प्रभारी अपने स्तर पर स्टाफ की नियुक्ति कर व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करेंगे तथा आयोजित शिविरों की रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों एवं जिला प्रशासन को प्रेषित करेंगे।

अधिस्वीकरण कार्ड का निम्नानुसार नवीनीकरण किया जाएगा

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। विभाग द्वारा राजस्थान प्रेस प्रतिनिधि अधिस्वीकरण नियम 1995 संशोधित नियम 2023 एवं 2024 के तहत स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया एवं डिजीटल मीडिया के प्रेस प्रतिनिधियों को अस्थाई अधिस्वीकरण कार्ड जारी किये हुए है। उपरोक्त प्रेस प्रतिनिधियों के अस्थाई अधिस्वीकरण कार्ड की अवधि 30.06.2026 को समाप्त हो रही है। ज्ञातव्य है कि राजस्थान प्रेस प्रतिनिधि अधिस्वीकरण नियम-1995 के तहत उपरोक्त प्रेस प्रतिनिधियों के अधिस्वीकरण कार्ड का नवीनीकरण कर 6 माह की अवधि बढ़ाते हुए दिनांक 31.12.2026 तक किया जाना है। प्रेस प्रतिनिधियो के अधिस्वीकरण कार्ड का नवीनीकरण निम्नानुसार किया जाना है।

01. प्रिंट मीडिया

01. नवीनीकरण आवेदन पत्र।
02. नियोजनकर्ता के हस्ताक्षर (संस्थान की सील सहित)
03.समाचार पत्र की नियमितता प्रमाण पत्र।
04.स्वघोषणा पत्र।

02. इलेक्ट्रानिक मीडिया

01 नवीनीकरण आवेदन पत्र।
02 नियोजनकर्ता के हस्ताक्षर (संस्थान की सील सहित)।
03 स्वघोषणा पत्र।

03. स्वतंत्र पत्रकार

01. नवीनीकरण आवेदन पत्र।
02 स्वलिखित आलेख।
03 स्वघोषणा पत्र।

04. डिजीटल मीडिया

01. नवीनीकरण आवेदन पत्र।
02. नियोजनकर्ता के हस्ताक्षर (संस्थान की सील सहित)।
03 स्वघोषणा पत्र।

उपरोक्त दस्तावेजों की पूर्ति सहित नवीनीकरण आवेदन पत्र एवं मूल अधिस्वीकरण कार्ड मुख्यालय को दिनांक 25.06.2026 तक भिजवाएं ताकि नियमानुसार नवीनीकरणकी कार्यवाही किया जा सके।

राजस्थान सरकार के केबीनेट मंत्री ने श्रीडूंगरगढ़ मे की जन सुनवाई

श्रीडूंगरगढ़ बार संघ के अध्यक्ष ललित कुमार मारू व साथी अधिवक्ताओ ने दिया ज्ञापन।

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। श्री डूंगरगढ़ बार संघ अध्यक्ष ललित कुमार मारू के नेतृत्व में श्री सुमित जी गोदारा खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजस्थान सरकार को कोर्ट बिल्डिंग , न्यायिक अधिकारियों के आवास, एमजेएम कोर्ट स्थापना तथा तहसील कार्यालय परिसर में अधिवक्ता भवन निर्माण के लिए ज्ञापन दिया । साथी अधिवक्ता सत्य नारायण प्रजापत, प्रकाश राजपुरोहित, ओम प्रकाश बरोठिया, मदन गोपाल स्वामी , सुख देव व्यास आदि माननीय मंत्री महोदय को विभिन्न मांगों का ज्ञापन देते समय उपस्थित रहे।

सर्व समाज की 105 प्रतिभाओं का सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

मोमासर, (खबर आस पास)। मानव जन जागृति संस्थान के तत्वावधान में उत्तरादा बास स्थित अंबेडकर भवन में 'सर्व समाज के प्रतिभा सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन-2026' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी ताराचंद कताला ने की, जबकि मुख्य अतिथि संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सौदागर कांदेला रहे।

मुख्य वक्ता संस्थान के मुख्य सदस्य एवं प्रधानाचार्य अशोक बबेरवाल ने कहा कि संस्थान राजस्थान भर में सर्व समाज के हित में कार्य करते हुए जरूरतमंद परिवारों को शिक्षा, सामाजिक सहयोग एवं जनजागरण के माध्यम से सशक्त बना रहा है।

मुख्य अतिथि सौदागर कांदेला ने कहा कि संस्थान मानवता को सर्वोपरि मानते हुए सामाजिक समानता, शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा जरूरतमंद परिवारों के बेटा-बेटियों को शिक्षा व रोजगार के लिए निशुल्क सिलाई मशीन वितरण और विवाह में सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है तथा निकट भविष्य में मोमासर क्षेत्र में एक बड़े सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

बाबू लाल गर्ग ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के महासचिव मनराज कांटीवाल, सचिव गजानंद परिहार, शंकरलाल तांदेड़ा, प्रशासक प्रतिनिधि जुगराज संचेती, थानमल भाटी, पूर्व सरपंच रेखाराम कालवा, जगदीश प्रसाद राणा, नत्थाराम कताला एवं शिक्षाविद् नानूराम परिहार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम आयोजन समिति के प्रदेश समन्वयक संतश्री भंवरलाल कमलिया, संयोजक बीरबल कुमार कताला,सह संयोजक भगवानाराम बरोड़, सदस्य लिछमण सिंह बीदावत,ताजाराम फौजी व सीताराम चालिया ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का साफा, शॉल, माला एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सर्व समाज के 105 प्रतिभावान विद्यार्थियों, नव नियुक्त कार्मिकों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मालाराम सातलेरा, मंगलाराम घोटिया,संतलाल सांडेला , धन्नाराम बरोड़, श्रीमती रामकोरी,मदनलाल बीरट, मोहनलाल चालिया, शिक्षक सीताराम कताला,रामकरण बारोटिया, सहीराम जनागल, सेवानिवृत्त शिक्षक शंकरलाल कताला,हुलासाराम भूंडण,जतनलाल कताला, सांवरमल बरोड़ अशोक कुमार, व्याख्याता ओमप्रकाश, शिक्षक विनोद कुमार,किशन बरोड़ सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक हरिकृष्ण कताला ने किया तथा कार्यक्रम के पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से भोजन किया।

ग्रामीण सेवा शिविर में किसानों को मिले बीज मिनीकिट, विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी

श्रीडूंगरगढ़, (खबर आस पास)। ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत जैसलसर एवं इंदपालसर गुसाईसर में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विभिन्न विभागों ने आमजन की समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण किया तथा योजनाओं की जानकारी दी।

उपखंड अधिकारी एवं शिविर प्रभारी शुभम शर्मा ने जैसलसर में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। शिविर के दौरान राजस्व विभाग की ओर से दो पट्टे जारी किए गए। कृषि विभाग ने किसानों को खरीफ फसल के लिए निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए तथा राज किसान साथी पोर्टल की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

चिकित्सा विभाग द्वारा रक्तचाप, शुगर एवं टीबी स्क्रीनिंग की जांच की गई, वहीं पशुपालन विभाग ने मंगला पशु बीमा योजना के तहत पंजीकरण किए। पेयजल एवं विद्युत विभागों ने प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरणों का निस्तारण किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने गोद भराई कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी तथा बच्चों को आंगनबाड़ी से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा विद्यालय भवनों की स्थिति का आकलन करने के लिए तकनीकी टीमों द्वारा निरीक्षण कार्य भी किया गया।

ग्रामीण सेवा शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाया। प्रशासन का उद्देश्य इन शिविरों के माध्यम से आमजन को गांव स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध कराना और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

श्रीडूंगरगढ़ हादसा : 2 वर्षीय तनवी ने भी तोड़ा दम, एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

बीकानेर (खबर आस पास)। श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में हेमासर गांव के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में गंभीर रूप से घायल 2 वर्षीय मासूम तनवी ने भी मंगलवार देर रात पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। तनवी के निधन के साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के मताना गांव निवासी रिटायर्ड सीनियर अकाउंटेंट ओमप्रकाश विश्नोई का परिवार सोमवार को बीकानेर के मुकाम स्थित गुरु जम्भेश्वर भगवान के समाधि स्थल के दर्शन कर वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान श्रीडूंगरगढ़ के पास उनकी कार की डंपर से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई थी, जबकि 2 वर्षीय तनवी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे पहले श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल और बाद में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही थी। मंगलवार देर रात करीब 2:30 बजे उसने भी अंतिम सांस ले ली।

इस हादसे में ओमप्रकाश विश्नोई (50), उनकी पत्नी सोरमा देवी (45), पुत्री प्रमिला (4), रोनित (4), यश्वी (10), खुशी (8) और अब तनवी (2) की मौत हो चुकी है। एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत से हरियाणा के मताना गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस परिवार ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की थी, वह कुछ ही घंटों बाद काल के क्रूर हाथों में समा गया। इस हृदयविदारक हादसे ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं।

युवा दिव्यांगों को प्रदान की जाएगी स्कूटी: पात्र 31 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में प्रदेश के 2 हजार 500 युवा दिव्यांगों को स्कूटी प्रदान की जाएगी। पात्र दिव्यांग इसके लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पंवार ने बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2026-27 की अनुपालना में चलने-फिरने में असमर्थ विशेष योग्यजन, जो राजकीय अथवा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत हैं अथवा रोजगार करने वाले हैं, उन्हें यह स्कूटी प्रदान की जाएगी।

पंवार ने बताया कि इच्छुक आवेदक को अपना आवेदन ई-मित्र कियोस्क अथवा स्वयं के द्वारा एस.एस.ओ पोर्टल पर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एसएसओ डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन 'एसजेएमएस डीएसएपी (सीएम स्कूटी योजना) आईकन के माध्यम से करना होगा। आवेदन पत्रों का चयन जिला कलक्टर अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए रानी बाजार स्थित चौपड़ा कटला परिसर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान संपर्क अथवा विभागीय वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट डीएसएपी डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट कॉम पर विजिट किया जा सकता है।

ऐसे युवा होंगे पात्र

पंवार ने बताया कि किसी भी आयु वर्ग के चलन निःशक्तता विशेष योग्यजन, जो किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध राजकीय अथवा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय स्तरीय संस्थान में नियमित अध्ययनरत हैं। राष्ट्रीय युवा नीति-2014 के आधार पर 18 वर्ष से 29 आयु वर्ग के रोजगार करने वाले पात्र चलन निःशक्तता विशेष योग्यजन आवेदकों को प्रथम वरीयता से स्कूटी वितरित की जाएगी। विभाग की सहमति के अनुसार कुल निर्धारित स्कूटियों से शेष उपलब्ध होने की स्थिति में द्वितीय वरीयता में अन्यथा पात्र होने पर 45 वर्ष तक की आयु के विशेष योग्यजन को स्कूटी प्रदान की जाएगी।

यह दस्तावेज होंगे आवश्यक

पंवार ने बताया कि आवेदन के साथ पेंशन भुगतान आदेश की प्रति। चिकित्सा प्राधिकारी अथवा चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रतिशत के चलन निःशक्तता प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रति। राजस्थान राज्य का मूल निवासी प्रमाण पत्र अथवा अन्य कोई दस्तावेज जो मूल निवास दर्शाता हो। आधार कार्ड एवं जन आधार कार्ड की स्व प्रमाणित प्रति। सक्षम स्तर से जारी जन्म प्रमाण पत्र अथवा 10वी की अंकतालिका, आधार एवं अन्य की प्रति।

नियमित अध्ययनरत विशेष योग्यजन आवेदकों को महाविद्यालय के प्राचार्य अथवा संस्था प्रधान से नियमित अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र जो कि (जो वर्तमान में अध्ययनरत है, उन्हीं के लिए) आवेदन की तिथि से एक माह से अधिक पुराना न हो। रोजगाररत विशेष योग्यजन आवेदक द्वारा नियोक्ता द्वारा जारी प्रमाण पत्र अथवा स्वयं का शपथ पत्र। आवेदक द्वारा पूर्व में भारत अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजनान्तर्गत मोटराइज्ड ट्राई साईकिल/स्कूटी वाहन प्राप्त नहीं किये जाने संबंधी शपथ पत्र (गत 08 वर्ष में तथा आवेदक की फोटो (विकलांगता प्रदर्शित करते हुये) तथा आवेदक द्वारा वाहन चलाने के ड्राईविंग लाईसेन्स की स्वप्रमाणित प्रति देनी होगी।

महापुरुष समारोह समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय निःशुल्क बाल योग समर कैंप शुरु

बच्चों का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता : श्रीगोपाल राठी

श्रीडूंगरगढ़, (खबर आस पास)। महापुरुष समारोह समिति श्रीडूंगरगढ़ के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन छुटियों में बच्चों हेतु बाल योग समर कैंप का सुभारम्भ 16 जून मंगलवार को बाहेती भवन श्रीडूंगरगढ़ में हुआ । संस्थाअध्यक्ष श्रीगोपाल राठी, मंत्री सुशील सेरडिया, योगगुरु ओमप्रकाश कालवा ने मां भारती के पुष्पांजली एवं दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारम्भ किया । संस्थाअध्यक्ष श्रीगोपाल राठी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है । रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु संस्था सतत रुप से प्रयत्नशील है । मंत्री सुशील सेरडिया ने कहा कि बच्चे समाज एवं राष्ट्रीय विकास के मुख्य आधार स्तम्भ है इनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु योग आवश्यक है । शिविर संयोजक ललित बाहेती ने बताया कि शिविर में प्रथम दिवस को 71 बच्चों , बड़े बुजुर्गो एवं महिलाओं ने भागीदारी की । शिविर में योगाचार्य ओमप्रकाश कालवा, बलराम बेनीवाल, दामोदर बोहरा, विष्णु शर्मा, एकता शर्मा, मनिष धामा, कौशल्या कलवानिया, लालचंद जाखड़, रामसुख बिस्सु, राजस्थानी टार्जन योगानंद कालवा, योगिता कालवा ने अपनी सेवाएं दी । बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु संस्था सदस्य विजयराज सेवग, सुरेश भादानी, ओमप्रकाश सारस्वत, मांगीलाल नाइ उपस्थित रहे ।

बीकानेर में दर्दनाक घटना : पिता की मौत का सदमा नहीं सह सकी बेटी, तालाब में कूदकर दी जान

बीकानेर (खबर आस पास)। जिले के बज्जू क्षेत्र में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। पिता की हार्ट अटैक से मौत के बाद उनकी 22 वर्षीय बेटी सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी और खेत में बने तालाब में छलांग लगाकर जान दे दी। कुछ ही घंटों के अंतराल में पिता और बेटी की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार बज्जू थाना क्षेत्र के चक 3 बीजीएएम (ए) निवासी पतराम गोदारा सोमवार शाम अपने निर्माणाधीन मकान पर गए थे और रात वहीं रुके थे। मंगलवार सुबह परिजनों को सूचना मिली कि वह मकान में अचेत अवस्था में पड़े हैं। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

भतीजे पवन गोदारा ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे जब पतराम गोदारा का शव घर लाया गया तो परिवार में कोहराम मच गया। पिता की मौत का गहरा सदमा उनकी बेटी ऋतु गोदारा (22) सहन नहीं कर सकी।

बताया जा रहा है कि ऋतु घर के पास खेत में बने तालाब की ओर दौड़ी और उसमें छलांग लगा दी। परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत उसे बाहर निकाला तथा बज्जू के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक साथ उठी पिता-बेटी की अर्थी

घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। बज्जू उप जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। बाद में पिता और बेटी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

ऋतु गोदारा ग्रेजुएशन प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पिता और बेटी की एक साथ मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

कालू रोड पर भीषण सड़क हादसा: कार-पिकअप की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत, पांच घायल

श्रीडूंगरगढ़ (खबर आस पास)। कालू रोड पर मंगलवार शाम कार और पिकअप की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जुट गए।

जानकारी के अनुसार राजेरा निवासी रामकुमार सारस्वत (40) पुत्र बद्रीराम सारस्वत गुसाईंसर बड़ा से रिश्तेदारी से लौटकर कार से श्रीडूंगरगढ़ आ रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके छोटे भाई देवकरण सारस्वत (35) घायल हो गए।

वहीं पिकअप में सवार गिरधारीलाल जाखड़, शारदा जाखड़, संतोष जाखड़ और गौरव टाडा भी घायल हो गए। हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी एवं आपणों गांव सेवा समिति की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सेवादारों ने घायलों को तत्काल श्रीडूंगरगढ़ उपजिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए बीकानेर रेफर कर दिया गया।

सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक एवं घायलों के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जिससे अस्पताल में गमगीन माहौल बन गया।

₹ 181,000 का निराश्रित गोवंश के लिए गोशालाओ को सहयोग

(खबर आस पास)

लूणकरणसर श्रेयांस बैद। सोमवती अमावस्या के उपलक्ष्य में गौ सेवार्थ गौशालाओं में सहयोग राशि एवं 27 थैले पशु आहार,25 क्विंटल तरबुज,21 पानी टैंकर तीन अलग-अलग गौशालाओ में तरबुज काटने की मशीन भेंट की गई। श्री गोविन्द गौ सेवा सदन गोशाला कपूरीसर,शिव जम्भेश्वर गोशाला, रोझा फुलदेसर सीणियाला,बाबा रामदेव गोशाला कालवास रोड पर गौ सेवार्थ जन हितार्थ सुन्दर काण्ड समिति द्वारा गोशालाओ में पानी टैंकर,तरबुज, पशु आहार गोशालाओ व निराश्रित गोवंश के लिए भिजवाया गया। अध्यक्ष श्रवण तावणिया ने बताया कि कोषाध्यक्ष भंवर लाल कर्वा ,सचिव पुरुषोत्तम सारस्वत इस नेक कार्य में सहयोग किया।